Shayr-e-
alfaz

Copyright © 2018, Piyush Sahu
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system now known or to be invented, without permission in writing from the publisher, except by a reviewer who wishes to quote brief passages in connection with a review written for inclusion in a magazine, newspaper or broadcast.

Published in India by Prowess Publishing
YRK Towers, Thadikara Swamy Koil St, Alandur, Chennai,
Tamil Nadu 600016

ISBN-10: 1-5457-4337-1
ISBN-13: 978-1-5457-4337-9

Library of Congress Cataloging in Publication

कतरे कतरे मे उसके गूरूर है,

फिर भी हमको उससे फितूर है।

अगर इश्क नहीं उन्हें हमसे

तो कोई गिला नहीं,

हमें उनका हर एक जूल्म क़ुबूल हैं।

ଓଃ ଓଃ ଓଃ ଓଃ ଓଃ

कहते है लेखक रोज़ अल्फाज़ो से खेलता है,

पर इश्क़ रोज़ उसके दिल मे उत्तर कर
उसके जज़्बातों से खेलता है।

ଓଃ ଓଃ ଓଃ ଓଃ ଓଃ

क्यू हम उनसे इतना प्यार करते है,

खुद को इनता बेकार करते है,

अपनी हस्ती खेलती ज़िन्दगी को

सरे आम बाजार करते है।

ଓଃ ଓଃ ଓଃ ଓଃ ଓଃ

सारा आसमान सजा है कुछ बताने के लिये,
एक दास्तान लिख जाउँगा सुनाने के लिये,
की खुदा खुद यहा आ जाएगा
सबको समझने के लिये।

ᗢᗢᗢᗢᗢ

यादों के अख़बार है हम,
सबके लिए गुनेहगार है हम,
गलती हमारी कुछ भी नहीं फिर भी,
उनकी नफरत के हक़दार है हम।

ᗢᗢᗢᗢᗢ

तेरे इश्क़ का फितूर है तब तक,
हर साँस ज़िंदा है तब तक।

ᗢᗢᗢᗢᗢ

जहां हिस्सा बनने गये थे,
वाहा किस्सा बन कर रह गये।

ᗢᗢᗢᗢᗢ

बड़ी सज़ा क्या दोगी तुम,
की ज़िंदा भी छोड़ दिया और जान भी लेली।

ଓ ଓ ଓ ଓ ଓ

धीरे धीरे ये वक़्त भी हाथों से निकल गया,
जो छुपाना था सुरूर तेरा इन आँखों से छलक गया।

ଓ ଓ ଓ ଓ ଓ

सपने मे ही रहता हुँ,
कुछ ख्वाब भी देख लेता हुँ,
शायरिया तो ऐसे ही बन जाती हैँ,
जब भी तेरी तस्वीर देख लेता हुँ।

ଓ ଓ ଓ ଓ ଓ

ख्वाबों को जलाने का सामान होना चाहिए,
दिल के एक कोने मे भी श्मशान होना चाहिए।

ଓ ଓ ଓ ଓ ଓ

मेरे जीते जी मेरी रुह के हिस्से निकल गए,
मेरी बातों मे अक्सर तेरे किस्से निकल गए।

ઉઉઉઉઉ

तेरी यादों को करना है कम,
मेरी आँखें जो है नम,
अब तू ही बता दे खुदा,
ज़िंदा रहूं या फिर कर दु खुद को ख़तम।

ઉઉઉઉઉ

मेरे आँखों मे अब ग़ुरुर नहीं,
मेरे पास अब खोने को कुछ नहीं।

ઉઉઉઉઉ

मोहब्बत का खेल,
जो सिख गया वो हार गया।

ઉઉઉઉઉ

बेपनाह चाहता था,

अब पनाह चाहता हु।

ଓଓ ଓଓ ଓଓ ଓଓ ଓଓ

प्यार एक चाँद,

आज पूरा कल अधूरा।

ଓଓ ଓଓ ଓଓ ଓଓ ଓଓ

ज़िद्दी है पर थक जायेगा।

एक लड़का दुख सहते सहते मर जायेगा।

ଓଓ ଓଓ ଓଓ ଓଓ ଓଓ

मुझे मौत दे कर एक एहसान कर दे,

मेरी मुश्किलें आसान कर दे।

ଓଓ ଓଓ ଓଓ ଓଓ ଓଓ

चाह थी ज़िन्दगी मे थोड़ी रौशनी की,
चाहने वालों ने आग लगा दी।

ও ও ও ও ও

हसीन चेहरों के अरमान,
जो ना समजा वो बर्बाद,
जो समजा वो आबाद।

ও ও ও ও ও

जिस्म के सौदागर तूने ये हवस क्यू मिटाई,
ऐ उपर वाले तूने ये मोहब्बत क्यू बनाई।

ও ও ও ও ও

तन्हा गुज़री अब हर शाम,
काच के प्याले मे सजा हर जाम।

ও ও ও ও ও

हौसले मे हार बैठा हूं,
खुद को मे मार बैठा हूं।

ও ও ও ও ও

आँखों से आज जाम पीला दे,
तन्हा हु तू हर शाम पीला दे,
दिल के बिखरे पड़े इन टुकड़ो मे,
आज तू आग लगा दे।

ও ও ও ও ও

वो कहते है में बर्बाद हुँ,
पर उसे लिख लिख कर ही तो में आबाद हुँ।

ও ও ও ও ও

मेने तो की थी सबसे वफ़ा,
फिर क्यू सब लोग है मुझसे खफा।

ও ও ও ও ও

You've Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: https://store.prowesspub.com